SHAHID MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA JAGDALPUR, BASTAR (C.G.)

BACHELOR OF EDUCATION

SEMESTER- 2nd

SUBJECT :- MEDIA AND ADVERTISEMENT

Mrs. Rani Mathew
Guest Lecturer
SOS In Education
S.M.K.V.V. Bastar, Jagdalpur

मीडिया और विज्ञापन

vkt Hkh jsfM;ks] Vh-oh-] lekpkj i=ksa ij ugha ls lekpkj lqurs i<+rs gksaxsA ckfj"k esa xehZ esa BaMh esa gesa D;k [kuk pkfg, D;k iguuk pkfg,] dSls LoLF; jgs\ vkfn ds ckjs esa tks jsfM;ks ;k Vh-oh- dks vius thou esa "kkfey dj ysrs gSa] mUgsa jsfM;ks ;k Vh-oh- fuRkkUr pkyw pkfg, gksrk gSA D;k dHkh vkids eu esa ;g fopkj mRiUu gqvk fd dSls gesa ?kj cSBs gh fo"o dh [kcjksa dks ns[kus] lquus vkSj i<+us fey tkrk gS\ fdlh Hkh lans"k dks ge rqjar fo"o ds fdlh Hkh dksus esa rqjar dSls Hkstrs gS\ rks vkb;s bu

lapkj ek/;e ¼ehfM;k½ ds :Ik esa

lapkj ek/;e ¼ehfM;k½ ds :Ik esa

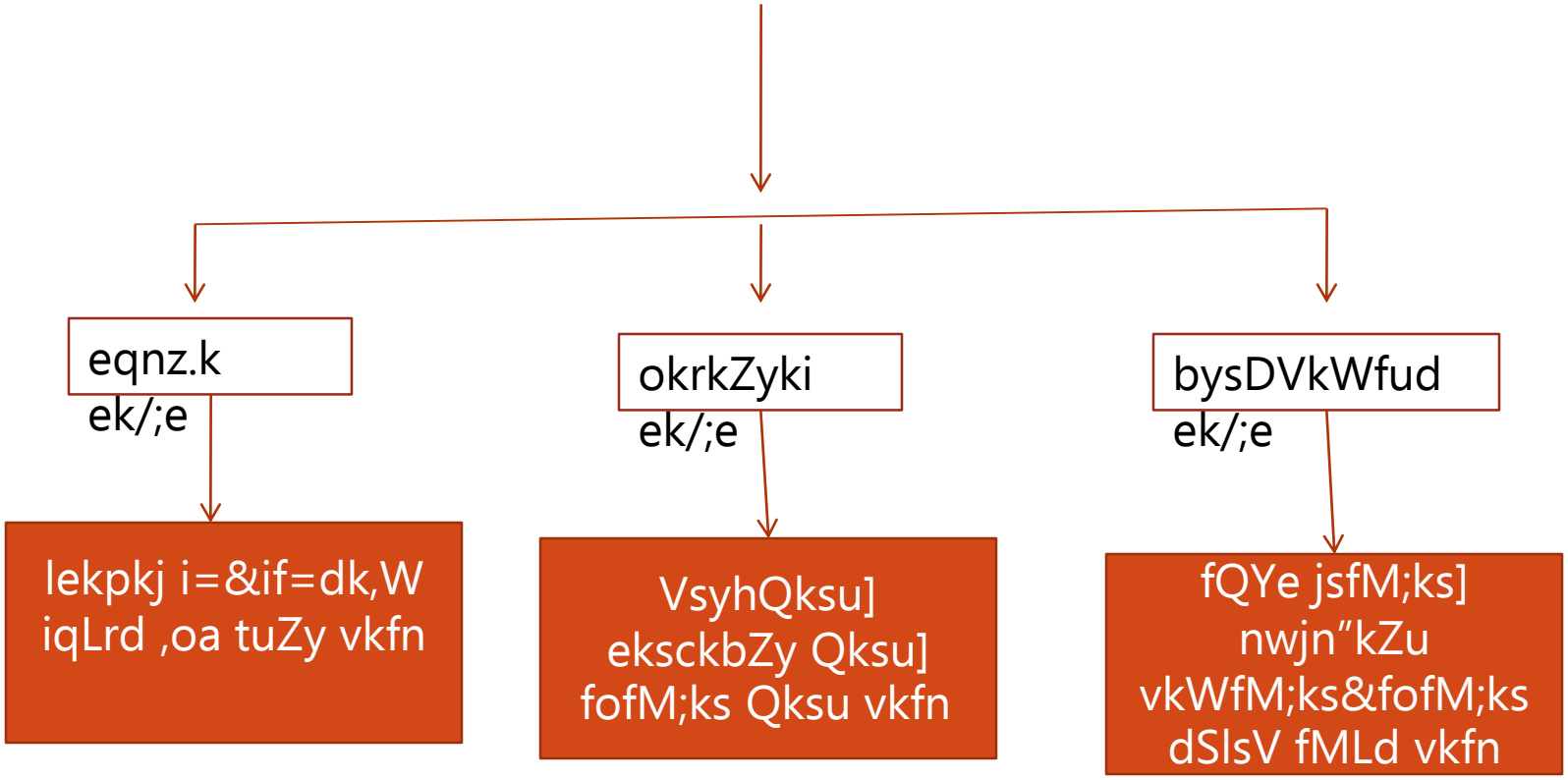

प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र)

समाचार पत्रों की शुरूआत कोलकाता में हुई जो कुछ निश्चित क्षेत्रों तक ही सीमित था। समय के साथ –साथ छपाई कला में दक्षता आई और छपाई के बहुत से मशीन आ गए जो रंगीन प्रिंट भी देने लगे है। प्रायः शहरों में देखते हैं चाहे बारिश भरी रात हो या ठंड से भरी सुबह हो उनकी सुबह (दिनचर्या) की शुरूआत समाचार पत्रों की बहुत सारी जानकारी के साथ होती है। समाचार पत्रों में केवल सूचनाएँ ही नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य, धर्म, हॉलीवुड, वॉलीवुड की खबरें भी होती हैं। विभिन्न विज्ञापनों का समावेश भी समाचार पत्रों में होता है।

&jsfM;ks&

jsfM;ks dk mi;ksx [kkldj xzkeh.k {ks=ksa esa vf/kd ns[kus dks feyrk gSA ;g izk;% yksxks ds euksjatu dk lk/ku gksrk gSA yksx xkuk lqurs gS] cPpksa ,oa d`f'k laca/kh tkudkjh izkIRk djus ds fy, Hkh lqurs gSaA vkt ls yxHkx 50 o'kZ iwoZ yksx jsfM;ks cM+s pko ls lqurs Fks ftls vki iqjkuh fQYeksa esa ns[k ldrs gSA vkt Hkh yksx iz/kkuea=h ds eu dh ckr lquus ds fy, jsfM;ks dks vius thou dk fgLlk cuk, gq, gSA fofo/k Hkkjrh] vkWy bafM;k jsfM;ks] ,Q-,e- vkfn vkdk"kok.kh dsUnz izpfyr gSA {ks=h; cS.M bUgha vkdk"kok.kh dsUnzksa dk vax gS blds ek/;e ls ftu cksfy;ksa dh fyfi

टेलीविजन :–

कुछ वर्षों पहले टेलीविजन का मतलब सिर्फ मनोरंजन हुआ करता था। बच्चे हों या बड़े सबको रविवार का इंतजार रहता था। रंगोली, जंगल बुक चंद्रकांता, रामायाण, महाभारत, शक्तिमान आदि कार्यकक्रम का आनंद लेने लोग टी.वी के सामने समय से पहले ही बैठे रहते थे। कुछ घरों में तो टॉकीज जैसा नजारा होता था। पूरे मुहल्ले के लोग इकटठा होकर टी.वी देखते थे। आप अपने दादा–दादी माता–पिता से पूछिए उन्हें किस तरह फिल्म का इंतजार हुआ करता था। चित्र स्पष्ट न आने पर एंटीना को इधर उधर घुमाते रहते और मूक बधिर समाचारों का नकल करते रहते थे। आज सभी के लिए अलग–अलग चैनल है जैसे फिल्म,धार्मिक चैनल, बच्चों का चैनल आदि। समाचार तो 24 घंटे चलता रहता है। लोग अपनी पसंद और स्वयं के लिए उपयोगी चैनल का उपयोग करते है। दूरदर्शन में चलित चित्र को देख सकते हैं और आवाज को सुन सकते हैं।

foKkiu

fp=&1

fp=&2

fp=&3

चित्र 1 का विज्ञापन आपसे क्या बोलता है ?

चित्र 2 के विज्ञापन से आप क्या सीखते है?

चित्र 3 विज्ञापन से आपको क्या सीख मिलती है?

- Åij rhuksa fp=ksa ls dqN u dqN fl[k feyrk gSA csVh cpkvksa csVh i<+kvksa igyk fp= iznf"kZr dj jgk gSA
- gkFk /kksuk fdruk t:jh gS] ;g nwljk fp= iznf"kZr dj jgk gSA
- fp= 3 esa ty dk cpko iznf"kZr dj jgk gSA ty laj{k.k nSfud thou ds fy, cgqr t:jh gSA

विज्ञापन की रचना–प्रक्रिया

किसी भी व्यापारी के दिमाग में यह स्पष्ट होता है कि उसकी वस्तु का उपयोग कौन करेगा? इसलिए वह उसके अनुसार विज्ञापन की भाषा, चित्र एवं अखबार और ,पत्रिकाओं को चुनता है। विज्ञापनों द्वारा हमारी सोच को बीमार कर दिया जाता है और हम उनकी ओर स्वयं को बचे हुए पाते हैं। मुँह धोने के लिए हजारों किस्म के साबुन और फेसवॉश मिल जाएँगे। मुख की चमक को बनाए रखने के लिए हजारों प्रकार के क्रीम विज्ञापनों द्वारा हमें यह विश्वास दिला दिया जाता है कि यह क्रीम हमें जवान और सुंदर बना देगा। रंग यदि काला है तो यह गोरा हो जाएगा। इन विज्ञापनों में सत्यता लाने के लए बड़े–बड़े खिलाड़ियों और फिल्मी कलाकारों को लिया जाता है। हम इन कलकारों की बातों को सच मानकर अपना पैसा पानी की तरह बहाते हैं। विज्ञापनों में जो दिखाया जाता है वह शत–प्रतिशत सही नहीं होता है।

यदि किसी कामकाजी महिलाओं के लिए कोई विज्ञापन तैयार करना हो तो यह ध्यान रखा जाता है कि व निम्न/मध्य/उच्च वर्ग की है। उनकी शैक्षनिक स्तर साधारण या उच्च है। यदि वस्तु की खरीददार मध्यम श्रेणी की महिलाएँ हैं तो विज्ञापन कुछ इस तरह होगा जिसका था आपको इंतजार..... एक क्रीम जो आपकी त्वाचा को बनाए चमकदार.....आपके पति आपको देखते रह जाए.....।

इसी प्रकार निम्न आय वर्ग की खरीददार हो तो

ये क्रीम सस्ती और श्रेष्ठ है, इसीलिए तो राधा, सरिता, बंसती भी इसे इस्तेमाल करती है।

मीडिया का महत्व :-

मीडिया आज समाज निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य कर रहा है। इतिहास में ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। लोग मीडिया की शक्ति को पहचानते हुए इसका उपयोग लोक परिवर्तन के लिए करते रहे हैं। जब हम अंग्रेजों के गुलाम थे मीडिया ने ही हममें देशभक्ति व उत्साह भरने का कार्य किया था। मीडिया जन जागरूकता लाने का कार्य करता है जैसे आपने देखा है जब भी पोलियों की दवा पिलाने के लिए अभियान हो, एड्स के प्रति जागरूकता लाना हो,लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित करना हो, बाल मजदूरी को रोकने का प्रयास करना हो, धूम्रपान के खतरों से अवगत कराना हो चाहे देश के भ्रष्टाचारियों पर कड़ी नजर रखना हो तो मीड़िया के सभी माध्यम सक्रिय हो जाते हैं। आपने यह तो टी.वी. पर जरूर देखा होगा कि आपकी सुरक्षा के लिए रेल्वे फाटक बंद रहने पर पार न करने की सलाह दी जाती है। हेलमेट का उपयोग करने के लिए कितना अच्छा कहा जाता है 'आपका सिर आपकी मर्जी।'

स्वच्छ भारत अभियान

02 अक्टूबर 2014 गाँधी जयंती के दिन हमारे प्रधानमंत्री ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के तर्ज पर स्वच्छ भारत अभियान (क्लीन इंडिया मूवमेंट) की शुरूआत की। भारत के सवा सौ करोड़ लोगों को आन्दोलन का हिस्सा बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने खुद हाथ में झाड़ू थाम लिया और अभियान को राजनीति से दूर रखने का ऐलान कर हर नागरिक से आशा जताई कि वह अपने आस–पास स्वच्छता रखेंगे। सफाई को सरकारी अभियान के बजाए जनता के आन्दोलन के रूप में स्थापित करने का भी उन्होंने प्रयास किया।

जनसंपर्क :–

जनसंपर्क का सीधा अर्थ है "जनता से संपर्क रखना।" जनसंपर्क एक प्रक्रिया है जो किसी निश्चित उद्देश्य से व्यक्ति या वस्तु की छवि, महत्व एवं विश्वास को समूह अथवा समाज में स्थापित करने में सहायक होती है। जनसंचार के विभिन्न उपकरणों के माध्यम से समाज या समूह से जीवन्त संबंध बनाने में यह सेतु का कार्य करती है। जनसंपर्क,संचार और संप्रेषण का एक पहलू है जिसमें किसी व्यक्ति या संगठन तथा इस क्षेत्र से संबंधित लोगों के बीच संपर्क स्थापित किया जाता है। इस प्रकार यह सेवा लेने वालों तथा देने वालों के बीच एक सेतु का काम करता है। यह एक द्विपक्षीय कार्यवाही है,जिसमें सूचनाओं तथा विचारों का आदान – प्रदान होता है।

केन्द्र तथा राज्य सरकारों की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रसारित करने के लिए जनसंपर्क विभाग स्थापित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क का मुख्य कार्यालय रायपुर में है और सुविधा के लिए प्रत्येक जिले में जनसंपर्क कार्यालय खोला गया है। किसी भी संगठन या किसी संस्था का जनता के साथ जो संबंध बनता है, उसे जनसंपर्क कहते हैं।

THANK YOU